शास्त्री तृतीय सत्रार्द्ध

इतिहास

पत्र संख्या - GE- III

पाठ्यक्रम विवरणम् -

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20

नवीन शक्तियों का उदय और विकेंद्रीकरण का युग

1. कान्यकुब्ज का पुष्यभूति राजवंश
2. हर्षकालीन राज्य, समाज एवं संस्कृति
3. राजपूतों का उद्भव: विभिन्न सिद्धांत

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20

राजनीतिक प्रतिरोध: देशी शक्तियाँ

1. उत्तर-पश्चिम भारत में इस्लामी आक्रमण और स्वरदेशी प्रतिरोधः कश्मीर, सिंध, शाही एवं अन्य शक्तियों द्वारा
2. मध्य भारत मौखरी: , प्रतिहार, गहड़वाल, चाहमान, चंदेल, कलचुरी, परमार और उनकी राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ
3. दक्षिण पश्चिमी भारत: चालुक्य और सोलंकी और उनकी राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ
4. उत्तर- पूर्वी भारत: बंगाल के पाल, सेन राजवंश और कलिंग, कामरूप के राजवंश और उनकी राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20

दक्षिण भारत की शक्तियाँ

1. वातापीपुर के चालुक्यः राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ
2. मान्यखेत के राष्ट्रकूट: राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ
3. चोल वंशः राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ
4. अन्यब क्षेत्रीय शक्तियां : पल्लव, पाण्ड्यं, चेर, काकतीय, गंग, कदम्ब

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20

सांस्कृतिक उन्नति/ प्रभुत्व का काल (550-1200)

1. समाज और धर्म
2. ललित कलाएँः वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला
3. भारत में भक्ति परंपरा का प्रसारः नयनार एवं अलवार

==========

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

सहायकसन्दर्भग्रन्थाः